प्रतिदर्श प्रश्न पत्र 8 (2019–20)

हिन्दी–ब (कोड–85)

कक्षा–9

निर्धारित समय– 3 घंटे अधिकतम अंक– 80

सामान्य निर्देशः–

1. इस प्रश्न–पत्र में चार खंड हैं– क, ख, ग और घ।
2. सभी खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के प्रश्नों के उत्तर क्रम से लिखिए।

खण्ड–क (अपठित अंश) 15

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 9

महात्मा गाँधी अपना काम अपने हाथ से करने पर बल देते थे। वे प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा। उनका कहना था कि जो श्रम नहीं करता है, वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है। ऋषि–मुनियों ने कहा है– बिना श्रम किए जो भोजन करता है, वह वस्तुतः चोर है। महात्मा गाँधी का समस्त जीवन–दर्शन श्रम सापेक्ष था। उनका समस्त अर्थशास्त्र यही बताता था कि प्रत्येक उपभोक्ता को उत्पादनकर्ता होना चाहिए। उनकी नीतियों की उपेक्षा करने के परिणाम हम आज भी भोग रहे हैं। न गरीबी कम होने में आती है, न बेरोजगारी पर नियंत्रण हो पा रहा है और न अपराधों की वृद्धि हमारे वश की बात हो रही है। दक्षिण कोरिया वासियों ने श्रमदान करके ऐसे श्रेष्ठ भवनों का निर्माण किया है, जिससे किसी को भी ईर्ष्या हो सकती है।

1. महात्मा गाँधी प्रत्येक आश्रमवासी से क्या आशा करते थे? क्यों? 2

उत्तर : महात्मा गाँधी प्रत्येक आश्रमवासी से आशा करते थे कि वह अपने शरीर से संबंधित प्रत्येक कार्य, सफाई तक स्वयं करेगा क्योंकि उनका मानना है कि हर किसी व्यक्ति को परिश्रम करके जीवन यापन करना चाहिए।

2. महात्मा गाँधी जी की नीतियों की उपेक्षा करने के क्या परिणाम हो रहे हैं? 2

उत्तर : महात्मा गाँधी जी की नीतियों की उपेक्षा करने से गरीबी और बेरोजगारी नियंत्रण से बाहर हो रही है। अपराधों में भी वृद्धि हो रही है।

3. जो व्यक्ति श्रम नहीं करता है, उसे महात्मा गाँधी क्या कहते थे? 2

उत्तर : जो व्यक्ति श्रम नहीं करता है, उसे महात्मा गाँधी कहते थे कि वह पाप करता है और पाप का अन्न खाता है।

4. महात्मा गाँधी अपने हाथ से काम करने पर बल क्यों देते थे? 2

उत्तर : महात्मा गाँधी अपने हाथ से काम करने पर बल इसलिए देते थे ताकि व्यक्ति परिश्रमी बन सके।

5. गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए। 1

उत्तर : परिश्रम का महत्त्व।

2. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 6

जिस पर गिरकर उदर–दरी से तुमने जन्म लिया है।
जिसका खाकर अन्न, सुधा–सम नीर, भरत पिया है।
वह स्नेह की मूर्ति दयामयि माता तुल्य मही है।
उसके प्रति कर्त्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं हैं?
केवल अपने लिए सोचते, मौज भरे गाते हो।
पीते, खाते, सोते, जगते, हँसते, सुख पाते हो।
जग से दूर, स्वार्थ–साधन ही सतत् तुम्हारा यश है।
सोचो, तुम्हीं, कौन अग–जग में तुमसा स्वार्थ विवश है?
पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा।
किए हुए हैं वह जिन–हित का तुमसे बड़ा भरोसा।
उससे होना उ़ऋण प्रथम है सत्कर्त्तव्य तुम्हारा।
फिर दे सकते हो वसुधा को शेष स्वजीवन सारा।

1. कवि किसके प्रति कर्त्तव्य का पालन करने की बात कर रहे हैं? 2

उत्तर : कवि मातृ भूमि के प्रति कर्त्तव्य का पालन करने की बात कर रहे हैं।

2. सत्कर्त्तव्य क्या है? 2

उत्तर : मातृभूमि की सेवा करके उसके ऋणों से उ़ऋण होना ही सत्कर्त्तव्य है।

3. आशय स्पष्ट कीजिए– 2

"पैदा कर जिस देश जाति ने तुमको पाला–पोसा।
किए हुए हैं वह निज–हित का तुमसे बड़ा भरोसा।।"

उत्तर : इन पंक्तियों के माध्यम से कवि ने मातृभूमि को माता की तरह बताया है। वे कहते हैं कि जियस प्रकार एक माता हमें पाल–पोष कर बड़ा बनाती हैं ठीक उसी प्रकार मातृभूमि की गोद में जन्म लेकर हम बड़े हुए हैं। अब वह मातृभूमि तुम पर अपनी रक्षा का भरोसा किए हुए है।

अथवा

आज मैंने
अपने हाथों काट डाला है
अपना एक हाथ
काटता नहीं तो क्या करता
मरता आखिर क्या न करता
जब तक थे
दो हाथ
तब तक था मैं बेकार
और आज
एक हाथ रहने पर
अपंगों की श्रेणी में आ गया हूँ
आरक्षित सीट का
अधिकारी बन गया हूँ।
आरक्षित सीट की क्यू
अभी तो कम लंबी है
क्यों इस मौके को हाथ से जाने देता
और दोनों हाथ रहने पर
हाथ मलता रह जाता
रास्ता तो और भी था
काश अपने को पिछड़ी जाति का
सिद्ध कर पाता
अपने प्यारे हाथ को नहीं गँवाता
किंतु.....
कहाँ तक सिद्ध कर पाता
हर सर्टिफिकेट पर छपी थी
मेरी जाति.....।

1. "काटता नहीं तो और क्या करता"– कवि की यह लाचारी क्यों है?

उत्तर : "काटता नहीं तो और क्या करता" कवि की यह लाचारी इसलिए है, क्योंकि एक हाथ के न रहने पर वह आरक्षित सीट का अधिकारी हो गया है।

2. प्रस्तुत पंक्तियों में समाज की किस व्यवस्था पर व्यंग्य किया गया है?

उत्तर : प्रस्तुत पंक्तियों में समाज की आरक्षण युक्त व्यवस्था पर व्यंग्य किया गयश है, क्योंकि बिना आरक्षण के उसे नौकरी मिलना असंभव–सा लग रहा है।

3. हाथ काटने से अब क्या होगा?

उत्तर : हाथ काटने से वह अपंग व्यक्तियों की श्रेणी में आ जाएगा, जिससे उसे नौकरी मिल जाएगी।

खण्ड–ख (व्यावहारिक व्याकरण) 15

3. **निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का वर्ण विच्छेद कीजिए।** 2

प्रसन्नता, विभोर, बाजार।

उत्तर : **प्रसन्नता–** प् + र् + अ + स् + अ + न् + न् + अ + त् + आ,
विभोर– व् + इ + भ् + ओ + र् + अ,
बाजार– ब् + आ + ज् + आ + र् + अ।

4.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक का प्रयोग कीजिए। 1

आख, देखूगा, बाट।

उत्तर : **आख–** आँख
देखूगा– देखूँगा
बाट– बाँट

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग कीजिए। 1

आतक, कचन, सभावना।

उत्तर : **आतक–** आतंक
कचन– कंचन
सभावना– संभावना

5. **निम्नलिखित में से किन्ही दो शब्दों में उचित स्थान पर नुक्ता का प्रयोग कीजिए।** 1

सफेद, बाजार, तूफान।

उत्तर : **सफेद–** सफ़ेद
बाजार– बाज़ार
तूफान– तूफ़ान

6.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित प्रत्यय पहचानकर लिखिए। 1

नेतृत्व, साप्ताहिक, घबराहट।

उत्तर :

	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	नेता	त्व
2.	सप्ताह	इक
3.	घबरा	आहट

2. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में उचित उपसर्ग पहचानकर लिखिए। 1

प्रमुख, विहीन, प्रतिकूल।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द
1.	प्र	मुख
2.	वि	हीन
3.	प्रति	कूल

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों में मूल शब्द के साथ जुड़े उपसर्ग और प्रत्यय को अलग कर लिखिए। 1
विज्ञापित, अनिश्चितता, गैरजिम्मेदारी।

उत्तर :

	उपसर्ग	मूल शब्द	प्रत्यय
1.	वि	ज्ञाप	इत
2.	अ	निश्चित	ता
3.	गैर	जिम्मेदार	ई

7.

1. निम्नलिखित में से किन्हीं चार शब्दों में सही संधि–विच्छेद कीजिए। 4
स्वाधीन, अत्यधिक, परोपकार, प्रत्येक, सदैव।

उत्तर : स्वाधीन– स्व + अधीन
अत्यधिक– अति + अधिक
परोपकार– पर + उपकार
प्रत्येक– प्रति + एक
सदैव– सदा + एव

2. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन वाक्यों में उचित विराम चिन्ह का प्रयोग कीजिए। 3
1. उफ आज तो बहुत गर्मी है
2. पिताजी ने कहा कार्य पूरा करने के बाद हम घूमने जाएँगे
3. विक्रमादित्य बहुत वीर साहसी और बुद्धिमान थे
4. प्रदूषण एक अभिशाप।

उत्तर :
1. उफ! आज तो बहुत गर्मी है।
2. पिताजी ने कहा, "कार्य पूरा करने के बाद हम घूमने जाएँगे।"
3. विक्रमादित्य बहुत वीर, साहसी और बुद्धिमान थे।
4. प्रदूषण : एक अभिशाप।

खण्ड–ग

(पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य पुस्तक) 25

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. बुढ़िया को कोई भी उधार क्यों नहीं देता था? 2

उत्तर : बुढ़िया के जवान बेटे की मृत्यु हो गई थी। लोगों को पता था कि अब उधार लौटाने की कोई संभावना नहीं है, अतः कोई भी बुढ़िया को उधार नहीं देता था।

2. आने वाला समय किस प्रकार के धर्म को नहीं टिकने देगा? 2

उत्तर : आने वाले समय में धर्म में दिखावे को नकार दिया जाएगा। जो लोग पूजा–पाठ तथा नमाज अदा करके दिनभर बेईमानी करते हैं तथा दूसरों को तकलीफ पहुँचाते हैं, उनके धर्म को आने वाला समय सहन नहीं करेगा।

3. लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय किस तरह से दिया? 1

उत्तर : लेखिका ने शेरपा कुली को अपना परिचय दिया कि वह बिल्कुल ही नौसिखिया है तथा एवरेस्ट उसका पहला अभियान है।

9. महादेव जी के लिखावट की क्या विशेषताएँ थी? 5

उत्तर : महादेव के अक्षरों का भारत में कोई सानी नहीं था। वाइसराय के नाम जाने वाले गांधीजी के पत्र हमेशा महादेव की लिखावट में जाते थे। उन पत्रों को देख–देखकर दिल्ली और शिमला में बैठे वाइसराय लंबी साँस–उसाँस लेते रहते थे। बडे–बड़े सिविलियन और गवर्नर कहा करते थे कि सारी ब्रिटिश सर्विसों मे महादेव के समान अक्षर लिखने वाला कहीं खोजने पर भी मिलता नहीं था।

अथवा

कीचड़ का रंग किन–किन लोगों को खुश करता है?

उत्तर : कीचड़ का रंग बहुत सुंदर होता है। यह कला. कारों तथा बुद्धिमानों को अच्छा लगता है। कला को जानने वाले लोग भट्टी में पकाई गई मिट्टी के बरतनों के लिए ऐसे ही रंग को पसंद करते हैं। फोटो लेते समय यदि उसमें कीचड़ का एकाध ठीकरे का रंग आ जाए तो उसे वार्मटोन कहा जाता है। कीमती कपड़े पहनने वालों को भी यह रंग प्रसन्न करता है।

10. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 5

1. कवि रैदास कैसी भक्ति करना चाहता है? 2

उत्तर : कवि रैदास ऐसी भक्ति करना चाहता है कि वह सदा अपने स्वामी का दास बना रहे। वे प्रभु का एक अंश बनकर रहना चाहते हैं। वे सोने में सुहागे की तरह मिलना चाहते हैं।

2. सुखिया के पिता पर कौन–सा आरोप लगाकर उसे दंडित किया गया? 2

उत्तर : सुखिया के पिता को अछूत होने के कारण उसे मंदिर में पूजा करने की इजाजत नहीं थी। अछूत होते हुए भी वह प्रसाद लेने के लिए देवी माँ के मंदिर में चला गया। उससे माँ का अपमान हुआ था। यही अभियोग लगाकर उसे सात दिन तक दंडित किया गया।

3. 'अग्निपथ' कविता के कवि कौन हैं? 1

उत्तर : 'अग्निपथ' कविता के कवि हरिवंशराय बच्चन हैं।

11. कवि रैदास अपने स्वामी के प्रति कृतज्ञता का अनुभव क्यों करता है? 5

उत्तर : कवि को इस बात का ज्ञान हो चुका है कि ईश्वर के अन्दर ऐसी विलक्षणता है कि वह गरीबों पर दया करके उन्हें धनी बना देता है, नीच से नीच व्यक्ति को भी उच्च सम्मान देता है। अछूतों को अपना मानता है, रैदास को भी उनकी कृपा से ही सम्मान का छत्र मिला है कबीर, नामदेव, सधना, सैनु, आदि जैस संत जो निम्न जाति में पैदा हुए थे, उन्हें उच्च पद पर भी ईश्वर ने ही सम्मानित किया है और ऐसा करते हुए वह कभी भी किसी से नहीं डरे। इस कारण कवि अपने स्वामी के प्रति कृतज्ञता का अनुभव करते हैं।

अथवा

'अग्निपथ' कविता का मूलभाव क्या है? स्पष्ट कीजिए।

उत्तर : इस कविता में कवि यह कहना चाहता है कि मनुष्य को संघर्षपथ पर चलते समय यह प्रण करना चाहिए कि हमारा पूरा जीवन अग्निपथ के समान है। मनुष्य को रास्ते में कभी सुखों की इच्छा नहीं करनी चाहिए तथा अपनी मंजिल की ओर बिना थकान महसूस किए बढ़ते ही रहना चाहिए। कवि बताता है कि संघर्ष करते समय महान दृश्य उत्पन्न होता है। यह रक्त, पसीने और आँसुओं से तरबतर होता है।

12. 'मनुष्य का अनुमान और भावी योजनाएँ कभी–कभी कितनी मिथ्या और उल्टी निकलती है'– इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 3

उत्तर : लेखक कहता है कि मनुष्य भविष्य के लिए विभिन्न योजनाएँ बनाता है। वह विभिन्न तरीके से सोचता है, परन्तु कभी–कभी वे अनुमानों के विपरीत निकलती हैं। वह अपने अनुमानों को फलीभूत होते हुए देखना चाहता है, परन्तु अक्सर वे गलत साबित होते हैं। इससे मनुष्य निराश हो जाता है।

अथवा

गिल्लू को मुक्त करने की आवश्यकता क्यों समझी गई और उसके लिए लेखिका ने क्या उपाय किया?

उत्तर : गिल्लू एक वर्ष का हो गया था। उसके पास बाहर की गिलहरियाँ आकर अपनी भाषा में कुछ कहतीं। गिल्लू भी जाली के पास बैठकर बाहर की तरफ ही देखता रहता था। इस कारण गिल्लू को आजाद करने की जरूरत समझी गई। लेखिका ने जाली पर लगी कीलें निकालकर एक कोना खोल दिया। इस कोने से बाहर जाकर गिल्लू ने मुक्ति की साँस ली।

13. लेखक ने परदेश के संबंध में क्या बात कही? 2

उत्तर : लेखक कहता है कि परदेश में कोई किसी का साथ नहीं देता। वहाँ मुस्कराहट ही रक्षक और सहायक होती है। इसी के माध्यम से दूसरे के साथ संबंध जोड़ा जा सकता है।

खण्ड–घ (लेखन) 25

14. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80–100 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए। 5

1. **भारत की बढ़ती जनसंख्या।**
   • देश की प्रगति और जनसंख्या • हानियाँ • सुझाव।
2. **कमरतोड़ महँगाई।**
   • महँगाई के कारण • समाज पर प्रभाव • व्यावहारिक समाधान।
3. **बदलती जीवन शैली।**
   • जीवन शैली का आशय • बदलाव कैसा • परिणाम।

उत्तर :

1. भारत की बढ़ती जनसंख्या

समय बदल रहा है तो लोगों की सोच में भी बदलाव आ रहा है। कभी अधिक जनसंख्या को जनता की शक्ति माना जाता था जबकि आज इसे समस्या के रूप में स्वीकार किया जाता है। अधिक संतान की उत्पत्ति व राष्ट्र, समाज व परिवार पर बोझ बन जाती है क्योंकि अधिक बच्चों का पालन–पोषण, शिक्षा व भविष्य की व्यवस्था सुचारू रूप से नहीं की जा सकती। बच्चे कुपोषण का शिकार हो जाते हैं। राष्ट्रीय स्तर पर अधिक संतान की उत्पत्ति अमानवीय है। भारत में जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए परिवार नियोजन के अनेक प्रकार के व्यावहारिक और वैज्ञानिक उपाय किये जा रहे हैं। परिवार नियोजन की कई अन्य योजनाएँ भी बनाई गई हैं और बनाई जा रही हैं। पढ़े–लिखे लोग तो जनसंख्या वृद्धि से होने वाले विस्फोट को समझने लगे

हैं, लेकिन अशिक्षित लोग आज भी संतान उत्पत्ति को वरदान व अपनी शक्ति मानते हैं। आवश्यकता है, ऐसे लोगों को जागरूक करने की। आज के आर्थिक दबाव और महँगाई की निरन्तर वृद्धि वाले युग में जनसंख्या वृद्धि को रोकना अति आवश्यक है।

2. कमरतोड़ महँगाई

महँगाई का अर्थ होता है, वस्तुओं की कीमत में वृद्धि होना। इस महँगाई पर ही पूरे देश की अर्थव्यवस्था टिकी होती है। महँगाई मनुष्य की जीवन शैली को प्रभावित करती है। आज समाज की यह प्रमुख समस्या है जिसने उच्च, मध्यम व निम्न सभी वर्गों की कमर तोड़ रखी है। महँगाई की समस्या न केवल भारत बल्कि पूरे विश्व की गंभीर समस्या बन गई है। इस समस्या के कारण बहुत से देशों का आर्थिक स्तर घटता है। हमारा देश भारत जनसंख्या की दृष्टि से दूसरा बड़ा देश है पर उस तरह की पैदावार नहीं हो पा रही है जिससे आये दिन सामानों के दाम बढ़ते है। देश में अतिवृष्टि व अनावृष्टि के कारण भी पर्याप्त पैदावार नहीं हो पा रही है। जिस कारण विदेशों से सामान मंगवाना पड़ता है, अर्थात् शुल्क के कारण महँगाई बढ़ रही है, कृषि प्रधान देश भारत होने पर भी जनसंख्या के कारण कृषि का क्षेत्र सीमित होता जा रहा है। सामान्य से काफी कम पैदावार होती है। जिससे हमें महँगाई का सामना करना पड़ रहा है। अगर सरकार मुद्रा स्फीति पर रोक लगाये तो शायद महँगाई पर कुछ तो लगाम लग सकेगी। सरकार को अधिक पैमाने पर गाँवों का विकास कर उन्हें जागरूक करना चाहिए जिससे वे आधुनिक संसाधनों का प्रयोग करें ओर पैदावार बढ़ायें।

3. बदलती जीवन शैली

स्वस्थ जीवन शैली एक अच्छे जीवन की नींव है। हालांकि इस जीवन शैली को हासिल करने में ज्यादा मेहनत नहीं लगती बल्कि कई लोग व्यावसायिक प्रतिबद्धताओं, दृढ़ संकल्प की कमी और अन्य कारणों द्वारा इसका पालन नहीं कर पाते। स्वस्थ रहने के लिए किस प्रकार की शैली को अपनाना है यह जानना ज्यादा जरूरी है। आजकल की पीढ़ी कम्प्यूटर, मोबाइल, बर्गर, पिज्जा और देर रात की पार्टियों पर आधारित है– मूल रूप से ये सब अस्वास्थ्यकर हैं। पेशेवर प्रतिबद्धताओं और व्यक्तिगत मुद्दों ने सभी को जकड़ लिया है और इन सभी अराजकताओं के बीच वे अपना स्वास्थ्य खो रहे हैं। इन दिनों लोग अपने दैनिक जीवन में इतने व्यस्त हो गये है कि वे भूल गये हैं कि एक स्वस्थ जीवन जीने के क्या मायने हैं। हम अच्छी आदतें अपनाकर अपनी जीवन–शैली में सुधार कर सकते हैं।

15. अनजाने में हुई भूल के लिए क्षमा माँगते हुए पिताजी को पत्र लिखिए। 5

उत्तर :

महेश नगर
अहमदाबाद
दिनांक : 30 मार्च, 2019
आदरणीय पिताजी,
सादर प्रणाम।

मुझे आपको यह बताते हुए बहुत खेद हो रहा है कि मैं परीक्षा में नकल करते हुए पकड़ा गया, जिसके कारण विद्यालय प्राचार्य ने मुझे बहुत डाँटा और अपने माता–पिता के साथ विद्यालय आने को कहा। मैंने अपनी गलती के लिए उनसे माफी माँगी तथा उन्होंने माफ भी कर दिया। इससे आपकी बहुत बदनामी हुई। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था।

अतः आपसे क्षमा याचना करता हूँ। मैं आपको विश्वास दिलाता हूँ कि भविष्य में इसकी पुनरावृत्ति नहीं होगी।

आपका आज्ञाकारी बेटा
अनिल

अथवा

दोस्त को उसके विवाह में सम्मिलित न हो सकने के लिए क्षमा पत्र लिखिए।

उत्तर :

ए– 256, करोल बाग
दिल्ली
दिनांक : 20 नवम्बर, 2019
प्रिय मित्र विजय,
सस्नेह नमस्ते।

मुझे तुम्हारा एक निमन्त्रण पत्र अभी–अभी मिला जिसमें तुमने मुझे अपनी शादी में आने का निमन्त्रण दिया है। मुझे दिल से बहुत खुशी हुई है। कृपया मेरी बधाई स्वीकार करो। मेरी शुभकामना है कि तुम्हारा विवाहित जीवन सुखमय और मंगलमय हो।

बस मुझे एक खेद अवश्य रहेगा कि मैं शादी में नहीं आ पाऊँगा, मुझे अपनी माताजी को इलाज के लिए मुम्बई लेकर जाना है पता नहीं वहाँ कितने दिन लग जायें। उनकी सेवा के लिए उनके साथ एक आदमी का होना आवश्यक है। मेरी तरफ से पुनः तुम्हारे समस्त परिवार को बधाई। शादी के बाद कम से कम तुम अपनी और भाभी की एक फोटों अवश्य भेजना। अभी अंकल और आन्टी से भी क्षमा माँगना चाहता हूँ। उनको हमारी सादर नमस्ते। मैं जल्दी ही तुमसे और भाभी से मिलने आऊँगा।

तुम्हारा हितैषी
मनोज गुप्ता

16. **दिए गए चित्र का वर्णन अपने शब्दों में कीजिए।** 5

उत्तर : प्रस्तुत चित्र किसी चिड़ियाघर का प्रतीत हो रहा है। इस चित्र में एक मिनी रेल भी है जो बच्चों के आनन्द और उल्लास को और भी बढ़ा देती है। मिनी रेल में बैठकर बच्चे पूरा चिड़ियाघर घूमते हैं और तरह–तरह के जानवरों को देखकर खुशी से चिल्ला रहे हैं। बच्चे पिंजरों में बन्द जानवर देख रहे हैं। कुछ पैदल ही चिड़ियाघर की सैर कर रहे हैं। बच्चों के चेहरों से साफ पता चल रहा है कि बच्चे बहुत खुश हैं।

अथवा

उत्तर : प्रस्तुत चित्र जंगल का है। वहाँ सारे जानवर अपने राजा शेर के साथ इकट्ठा होकर सभा कर रहे हैं। वह कह रहा है कि मैं बूढ़ा हो गया हूँ। तुम लोग दूसरे राजा का चुनाव कर लो। जानवरों ने उससे कहा कि हम लोग आपस में विचार–विमर्श करके मतदान के द्वारा नये राजा का चुनाव कर लेंगे।

17. **बढ़ती महँगाई के सम्बन्ध में मित्र से हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लिखिए।** 5

उत्तर :

राकेश– अरे भाई अनिल, यह महँगाई तो हमें मार डालेगी।

अनिल– ठीक कहते हो राकेश, लेकिन हम क्या करें, कुछ समझ में नहीं आता।

राकेश– सच में, हम क्या कर सकते हैं, करेगी तो सरकार। और वह कुछ कर नहीं रही।

अनिल– सरकार तो स्वयं महँगाई बढ़ाने पर तुली है।

राकेश– वह कैसे?

अनिल– सरकार ने खाने–पीने की हरेक चीज, पेट्रोल व डीजल की कीमतें स्वयं बढ़ाई हैं, तो वह दूसरी इंडस्ट्री से निकले सामानों की कीमतों पर रोक कैसे लगा सकती है?

राकेश– सरकार को इस देश में रहने वाले 90% मध्यम वर्गीय और गरीबों की कोई चिंता नहीं है।

अनिल– पर वह दावा तो गरीबों की रक्षा करने का करती है।

राकेश– हम होस्टल में रहने वाले छात्र भी महँगाई की चक्की में बुरी तरह पिस रहे हैं। हमारे माता–पिता की सीमित आय है और वे अब ज्यादा पैसे खर्च करने में असमर्थ हैं।

अनिल– बिल्कुल सच कहते हो भाई। महँगाई की मार तो हमें ही झेलनी पड़ती है, नेताओं को कोई फर्क नहीं पडता।

अथवा

खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट के बारे में मित्र के साथ हुए वार्तालाप को संवाद के रूप में लिखिए।

उत्तर :

सुनिल– अरे भरत! तुम यहाँ?

भरत– मैं यहाँ इस स्टोर में कुछ सामान वापस करने आया हूँ।

सुनिल– मतलब! कोई खास चीज?

भरत– अरे यार! क्या बताऊँ? मैं यहाँ से दाल ले गया था, इसमें छोटे–छोटे कंकड़ और बिल्कुल सफेद रंग के पत्थरों की इतनी मिलावट है, क्या बताऊँ। माँ और बहन कंकड़ पत्थर चुनते–चुनते परेशान हो गई। आखिर में तंग आकर उन्होंने कहा कि दाल के पैकेट को वापस करके आओ।

सुनिल– तुम कहते तो सही हो भरत।

भरत– अभी कुछ दिन पहले गोयल अंकल सरसों का तेल ले गये थे, और उससे बने खाने से घर के सभी सदस्य बीमार पड़ गये। उन्होंने तो तेल की शिकायत पुलिस व खाद्य विभाग दोनों में कर दी।

सुनिल– कल ही मैंने देखा कि बड़ी–बड़ी कम्पनियों के सामान में भी मिलावट पाई गई है और त्यौहार पर मिठाइयों में बहुत ज्यादा मिलावट कर दी जाती है। इससे लोगों के जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। जो बिल्कुल गलत है।

भरत– सरकार को इस विषय में सख्त कानून बनाकर मिलावट करने वाले व्यापारियों पर कार्यवाही करनी चाहिए।

सुनिल– बिल्कुल सही कहा।

18. 'शक्ति च्यवनप्राश' का विज्ञापन तैयार कीजिए। 5

उत्तर :

शक्ति च्यवनप्राश

रखे उमंग ताकत संग

मिले रोगों से मुक्ती जड़ीं–बूटियोंयुक्त

250 रुपये प्रति किलोग्राम

आयुर्वेदिक जड़ी–बूटियों और औषधियों से निर्मित

★ सभी मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध ★

अथवा

स्मार्ट एल. ई. डी. का विज्ञापन तैयार कीजिए।

उत्तर :

ठहरिए क्या आप टी.वी. लेने जा रहे हैं?

आकर्षक उपहार कूपन

करण इलेक्ट्रॉनिक पेश करते हैं

स्मार्ट टी.वी. की दुनिया का सरताज

★ सुन्दर व एच़.डी. पिक्चर क्वालिटी

★ बेहतरीन आवाज पूरी तहर एनड्रायड

★ स्मार्ट टेक्नोलॉजी के साथ 4K HDR TVs

साइज– 28", 32", 36", 42", 48", 52"

मूल्य– 25,000 से 75,000 रुपये तक

सम्पर्क करें– 9905623812

WWW.CBSE.ONLINE

Download unsolved Version of this solved paper from www.cbse.online

This sample paper has been released by website www.cbse.online for the benefits of the students. This paper has been prepared by subject expert with the consultation of many other expert and p aper is fully based on the exam pattern for 2019-2020. Please note that website www.cbse.online is not affiliated to Central board of Secondary Education, Delhi in any manner. The aim of website is to provide free study material to the students.